श्री रामचंद कृपालु भजमन लिरिक्स Stui Ramchandra Kripali Bhajman Lyrics

श्री रामचंद्र कृपालु भजमन लिरिक्स

श्री राम श्री राम
श्री रामचंद्र कृपालु भजमन
हरण भवभय दारुणं
नव कंज लोचन कंज मुख
कर कंज पद कंजारुणं

श्री राम, श्री राम
कंदर्प अगणित अमित छवि
नव नील नीरद सुन्दरं
पटपीत मानहूँ तड़ित रूवि शुचि
नोमि जनक सुतावरं

श्री रामचंद्र कृपालु भजमन
हरण भवभय दारुणं
श्री राम, श्री राम

भन दीनबन्धु दिनेश दानव
देत्य वंश निकन्दनं
रघुनंद आनंद कंद कोशल
चंद दशरथ नन्दनं

श्री रामचंद्र कृपालु भजमन
हरण भवभय दारुणं
श्री राम, श्री राम

शिर मुकुट कुण्डल तिलक
चारु उदारु अङ्ग विभूषणं
आजान भुज शर चाप धर
संग्राम जीत खरदूषणं

श्री रामचंद्र कृपालु भजमन
हरण भवभय दारुणं
श्री राम, श्री राम

इति वदति तुलसीदास शंकर
शेष मुनि मन रंजनं
गम हृदय कंज निवास कुरु
कामादि खलदल गंजन

श्री रामचंद्र कृपालु भजमन
हरण भवभय दारुणं
नव कंज लोचन कंज मुख
कर कंज पद कंजारुणं
श्री राम, श्री राम